प्रकाशनार्थ

पटना, 16 मार्च। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) ने बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति (BSSS) के सहयोग से आज पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में "आयुष्मान मंथन" कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बिहार के सभी प्रमंडलों में आयोजित पाँच कार्यशालाओं की श्रृंखला का समापन कार्यक्रम था, जिसमें राज्य के सभी जिलों को शामिल किया गया। इन कार्यशालाओं के माध्यम से राज्य के लगभग 92 प्रतिशत निजी सूचीबद्ध (Empaneled) अस्पतालों को प्रशिक्षण दिया गया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के अंतर्गत सेवाओं की गुणवत्ता और पारदर्शिता को मजबूत करना था।

इस कार्यशाला में लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर एवं संचालक, मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि, सिविल सर्जन और जिला स्तर के स्वास्थ्य अधिकारी शामिल थे। बड़ी संख्या में हुई भागीदारी यह दर्शाती है कि आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है, जिसके तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलता है।

इस अवसर पर बिहार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय ने योजना की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिहार इस योजना के क्रियान्वयन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य में अब तक 4.16 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे कार्ड निर्माण के मामले में बिहार देश में तीसरे स्थान पर है। इसके साथ ही अस्पतालों को अपने से जुड़ने में 12वीं स्थान पर है और राज्य में लगभग 1,230 अस्पताल योजना से जुड़े हुए हैं। अब तक इस योजना के तहत 32 लाख से अधिक मरीजों का इलाज किया जा चुका है और कुल 4,784 करोड़ रुपये का उपचार व्यय किया गया है।

योजना के वर्तमान चरण में उपचार की गुणवत्ता, मानक उपचार दिशानिर्देशों (Standard Treatment Guidelines) का पालन और एंटी-फ्रॉड के उपायों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से "आयुष्मान मंथन" कार्यशाला को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी और सूचीबद्ध अस्पतालों के बीच सीधे संवाद के मंच के रूप में आयोजित किया गया। इसमें दस्तावेजीकरण, गुणवत्ता मानकों और अनुपालन प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई, ताकि जवाबदेही बढ़े और लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सके।

कार्यक्रम की शुरुआत में बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (CEO) श्री शशांक शेखर सिन्हा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और योजना की

सफलता के लिए राज्य स्वास्थ्य एजेंसी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य वक्तव्य देते हुए आद्री की सदस्य सचिव डॉ. अस्मिता गुप्ता ने कहा कि "आयुष्मान मंथन" कार्यशालाओं की यह श्रृंखला राज्य स्वास्थ्य एजेंसी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे योजना के लाभार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी।

कार्यशाला में मानक उपचार दिशानिर्देश, गुणवत्ता दस्तावेजीकरण और एंटी-फ्रॉड से संबंधित तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में बीएसएसएस के डॉ. आलोक रंजन (निदेशक–ऑपरेशन), डॉ. नीरज कुमार सिंह (निदेशक–हेल्थकेयर), श्री शैलेश चंद्र दिवाकर (प्रशासी पदाधिकारी), श्री आलोक कुमार सिंह (वित्त नियंत्रक), डॉ. सूरज शंकर और डॉ. गुरिंदर रंधावा सहित कई विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले लगभग 20 अस्पतालों को सम्मानित भी किया गया, जिनमें सदर अस्पताल बेगूसराय, महावीर कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट और जीवक हार्ट हॉस्पिटल प्रमुख हैं।

(अभिषेक प्रसाद)